जय जय महाश्रमण

नारी लोक

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान)

अंक 233 नवम्बर 2017

अध्यक्षीय कार्यालय :
श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई – 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

नेतृत्व के नये कैलेण्डर का पहला पन्ना

प्रिय बहनों।

सादर जय जिनेन्द्र।

सृजन की स्याही एवं कर्तृत्व की कलम से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के नेतृत्व के नये कैलेण्डर के पहले पन्ने की सिद्धश्री लिखना प्रारंभ करुं उससे पूर्व वंदन करती हूँ नारी जाति के उद्धारक भगवान महावीर को। नमन तेरापंथ की यशस्वी आचार्य परम्परा को। प्रणाम नारी जाति के पुनरुद्धारक आचार्य श्री तुलसी को जिनकी दूरगामी सोच से जन्मा यह मंडल समय के रथ पर निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। प्रणाम प्रज्ञापुंज आचार्य श्री महाप्रज्ञ को जिनके दिशा दर्शन ने महिलाओं का हौसला बुलंद किया। अनन्त–अनन्त कृतज्ञभाव से वंदन करती हूँ भगवान महावीर के प्रतिरूप अक्षय ऊर्जा के भंडार परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी को जिनकी करुणामयी दृष्टि महिला समाज के भीतर हर क्षण अनन्त ऊर्जा का संचार कर रही है।

श्रद्धा प्रणत वंदना सरस्वती वरदपुत्री सृजनात्मक चिंतन की ऊर्वरा असाधारण साध्वी प्रमुखा श्री महाश्रमणीजी को। वंदना शासनस्तंभ श्रद्धेय मंत्रीमुनि प्रवर, मुख्य मुनि प्रवर, मुख्य नियोजिकाजी, साध्वीवर्या जी, मंडल की आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासनगौरव साध्वी श्री कल्पलताजी एवं तेरापंथ धर्मसंघ के समस्त चारित्रात्माओं को तथा वंदामि नमंसामि समण–समणियों को जिनकी प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष प्रेरणा मेरी विकास यात्रा में योगभूत बनी।

बहिनों ! प्रणाम उन बारह पूर्वाध्यक्षों को जिन्होंने अपने समय, श्रम व नवोन्मेषी चिंतन से इस मंडल के बीजों को पल्लवित एवं पुष्पित किया।

बहनों ! मैं नहीं भूल सकती प्राइड होटल के उस गणपति बेंक्वीट को जहाँ 42 वें राष्ट्रीय अधिवेशन ''योगक्षेम'' के स्वर्णिम अवसर पर 12 सितम्बर 2017 के पुण्य प्रभात में संस्था के सर्वोच्च पद के लिए आप सभी के हजारों सशक्त हाथों ने एक साथ समर्थन करके मुझे यह विश्वास दिलाया कि आप सब मेरे साथ हो। मैं सदैव आपकी आभारी रहूंगी।

तेरापंथ धर्मसंघ के संस्थागत नेतृत्व की अनुभव संपदा से संपन्न कोलकता की पावन धरा पर 13 वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में शपथ लेते समय 13 सितम्बर के स्वर्णिम प्रभात में करुणा के महासागर परमपूज्य गुरुदेव के श्रीमुख से निकलने वाले आशीर्वचनों ने मुझे गुरुदेव तुलसी की उन पंक्तियों के चरितार्थ होने का एहसास दिलाया कि

''ज्यों ज्यों चरण बढ़ेंगे आगे स्वतः मार्ग बन जायेगा,
हटना होगा उसे बीच में जो बाधक बन आयेगा।
रूक न सकेगी मुड़ न सकेगी, सत्य क्रांति की उज्जवल धारा,
प्रभो ! तुम्हारे पावन पथ पर जीवन अर्पण है सारा।''

बहिनों कुछ ही दिन पूर्व हमने मिलकर दीपोत्सव की जगमगाती रोशनी से हर घर को खुशियों से रोशन किया और साथ ही साथ घट–घट में अणुव्रत के दीप जलानेवाले गुरुदेव तुलसी का स्मरण कर मौन अभियान के साथ नैतिकता का प्रकाश फैलाने का भी

संकल्प लिया। मैं आशा करती हूँ कि नई उमंग, नई रोशनी, नई स्फूर्ति और नई ताजगी के साथ पूरे देश भर के हमारे सभी नवमनोनीत अध्यक्ष एवं मंत्री अपनी पूरी टीम के साथ मिलकर प्रत्येक सदस्य के सहयोग से संकल्प के ऐसे दीप जलाएं जिससे विकास की रोशनी चारों और फैल जाए। तो आइये हम सब मिलकर संकल्प करें कि –

- हम काम इतना खामोशी से करें कि सफलता शोर मचाये।
- हम काम इतना अनुशासित ढंग से करें कि औरों के लिए आदर्श बन जाएं।
- हम काम इतना गरिमापूर्ण ढंग से करें कि गौरव स्वतः गरिमामय बन जाए।
- हम अपनी शक्ति का नियोजन ऐसी सकारात्मक दिशा में करें कि मंजिल स्वतः चलकर पास आ जाए।
- हम अपने सम्यक्त्व को एवं श्रावकृत्व को इतना पुष्ट करें कि विकास के द्वार स्वतः उद्घाटित हो जाये।
- हम अधिक से अधिक कन्याओं एवं बहिनों को समयक्त्व दीक्षा के क्रम से जोड़ने का प्रयास करें।

अंत में बहिनों ! आप सभी के प्रति यही मंगलकामना करती हूँ कि .....

स्वस्थ धरा संगठन की हो, विकास के नवदीप जलाएं।
ऋजुता, मृदुता, सहनशीलता, विनम्रता का सूर्य उगाएं।।
लक्ष्य अब मंजिल बन जाएं, बाधाओं से हार न माने।
कदम रहे धरती पर हरदम, आंखों में आकाश समाए।।

सस्नेह !

आपकी अपनी
कुमुद कच्छारा
श्रीमती कुमुद कच्छारा
(राष्ट्रीय अध्यक्ष)

महामंत्री के उद्गार

अपनी क्षमताओं के प्रति सकारात्मक विश्वास रखते हुए संस्था को लक्षित मंजिल तक पहुंचने वाली ऊर्जावान बहनों,

हर इंसान सफलता चाहता है। सफलता का महत्वपूर्ण पायदान है विश्वास।

विश्वास नव सृजन पर, विश्वास नव नेतृत्व पर, विश्वास नव कर्तृत्व पर, विश्वास अगर सकारात्मक शक्ति को प्राप्त कर लेता है तो महत्वपूर्ण कार्य संपादित हो सकते हैं।

जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करना, फिर उसे प्राप्त करने हेतु उसी दिशा में श्रम करना अनिवार्य है। बिना लक्ष्य तय किये कोई भी काम किया जाए तो उसकी सफलता में संदेह रहता है, इसलिये हमने भी कुछ लक्ष्य निर्धारित किये है और मंजिल तक पहुँचने के लिए हम तो कटिबद्ध है ही लेकिन आप सबका साथ, आपका विश्वास, आपका श्रम, आपकी क्षमताएं ही मंजिल की दिशा में stepping stone है।

वास्तव में सफल संस्था या सफल व्यक्ति वही माने जाते है, जिनकी उपलब्धि दिखाई देती है। हौसला जुनून, कुछ एक्सट्रा ऑर्डिनरी करने की चाह, आपकी सोच की उड़ान में हवा का कार्य करेगी। ऊंची सोच, ऊंचे विचार, ऊंचे लक्ष्य का परिणाम सदैव ऊँचा ही होता है इसलिए सोच हमेशा बड़ी रखे, सफलता द्वार पर स्वयं दस्तक देगी।

नीलम सेठिया
महामंत्री

ऊर्जावाणी

समाज में लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा का योग बना रहे। मैं इनको प्रतीक के रूप में बता रहा हूँ। समाज में तीनों शक्तियों की अपेक्षा होती है। समाज या संस्था को लक्ष्मी की शक्ति भी चाहिए, विद्या विवेक की शक्ति भी चाहिए और साथ में कार्य करने की, श्रम करने की शक्ति भी होनी चाहिए। तीनों का योग होता है तो हर संगठन हपने ढंग से अच्छा काम कर सकता है और विकास के शिखर पर आरोहण कर सकता है।

आचार्यश्री महाश्रमण

मंजिल की दिशा में कदम बढ़ते रहें

मनुष्य के जीवन में बीज रूप में विकास की अनगिनत संभावनाएँ निहित है। बीज को खाद, पानी, हवा और ताप उपयुक्त मात्रा में मिलते रहें तो वहं अंकुरित होता है। समय पर पुष्पित ओर फलित हो जाता है।

मनुष्य में निहित विकास की संभावनाओं को उजागर करने में परिवार, समाज और संगठन का योग रहता है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल आचार्य श्री महाश्रमण के आध्यात्मिक मार्गदर्शन में बहुआयामी विकास के शिखर पर आरोहण कर रहा है।

महिलाएं विकास के नए क्षितिज खोलती जाएं, इस दृष्टि से आवश्यक है कि उनमें सृजनशीलता, साहस, सहनशीलता और सेवाभावना वर्धमान रहे। उनका लक्ष्य ऊँचा और स्पष्ट हो। लक्ष्य को साधने के लिए जुनून जरूरी होता है। वे अवसर को पहचानें और करणीय कार्य समय पर पूरे मनोयोग से करें। सामायिक, स्वाध्याय आदि धार्मिक प्रवृत्तियों में समय का समुचित नियोजन हो।

आचार्यश्री तुलसी, आचार्यश्री महाप्रज्ञ और आचार्यश्री महाश्रमण के विशेष अनुग्रह से तेरापंथ महिला समाज प्रगति के पथ पर अग्रसर है, किन्तु मंजिल अभी दूर है। मंजिल की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए चार पंक्तियां उनकी स्मृति में रहें –

जिंदगी की असली उडान अभी बाकी है, जिन्दगी के कई इम्तिहान अभी बाकी है।
अभी मापी है मुठ्ठी भर जमीन हमने, अभी तो सारा आसमान जीतना बाकी है।।

16 अक्टूबर 2017
राजरहाट, कोलकता

साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

मिलिये अपने कोषाध्यक्ष से...

प्यारी बहिनों,

सादर जय जिनेन्द्र

नारी शक्ति और नारी अस्मिता को अभिव्यक्ति देने का मंच है – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल। हम सौभाग्यशाली है कि आध्यात्म, सामाजिक दायित्वों की पूर्ति एवं नारी उन्नयन के क्षेत्र में व्यापकता के साथ काम करने का मौका हमें मंडल के माध्यम से मिला है। हम बहिने अपनी संस्था के विकास के लिये निरन्तर गतिमान रहे। बहिनों की सक्रियता के साथ–साथ आर्थिक सुदृढ़ता भी किसी संस्था के विकास के लिये आवश्यक होती है। हमारी नव मनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद जी कच्छारा ने मुझे पुनः कोषाध्यक्ष का दायित्व सोंपा है।

मेरा यह परम कर्तव्य बनता है कि मैं संस्था के कोष की सुरक्षा एवं संवर्धन के लिए सतत जागरुकता, पूर्ण प्रामणिकता और पारदर्शिता के साथ कार्य करूं। संस्था का आर्थिक लेखा जोखा व्यवस्थित रखते हुए समयबद्ध साथ–साथ शाखा मंडलों में भी मेरा निरन्तर काम पड़ता रहेगा, आप सभी से मेरा विनम्र अनुरोध है कि पूर्व की भांति भविष्य में भी आपका सहयोग निरन्तर मिलता रहे ताकि मैं पूर्ण पारदर्शिता एवं प्रामणिकता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन कर सकूं।

सरिता डागा
कोषाध्यक्ष

ऊर्जा प्रेरणा

आचार्यश्री तुलसी

''विकास के लिए बदलाव और ठहराव दोनों जरूरी है। मौलिकता स्थिर रहे और उसके साथ युगीन परिवर्तन भी आते रहें, इस क्रम में विकास का पथ प्रशस्त होता है। महिलाएँ अपने प्राकृतिक मौलिक गुणों को सुरक्षित रखती हुई युगीन संदर्भों को पहचानें, अणुव्रत और प्रेक्षाध्यान का जीवन में प्रयोग करें और अच्छी महिला का आदर्श उपस्थित करें। ऐसा करके ही वे अपनी स्वतंत्र पहचान बना सकती है और शक्ति का समुचित उपयोग कर सकती है''

ऊर्जा निर्झर

''जैसे सूर्य का प्रकाश फैलता जा रहा है, वैसे ही महिलाएँ समाज में सद्–संस्कारों का आलोक बिखेर रही है। संस्कार देना माँ का काम है, इसे दृष्टिगत रखते हुए महिलाएँ अपने करणीय के प्रति सजग बनी रहें, यह शुभ संकेत है। महिला समाज में नया विचार, नया चिंतन जाग रहा है, इस आधार पर कह सकता हँ कि हमारे समाज का भविष्य उज्जवल है, गौरवमय है और विकास की नई संभावनाओं को जन्म दे रहा है''।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ

ॐ गुरुदेव शरणं

किपलिंग की विश्व प्रसिद्ध पंक्ति है, ''पूर्व और पश्चिम कभी नहीं मिलते।'' पर मैं वर्षों से देख रही हूँ कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एक ऐसी संस्था है जिसमें पुराने नेतृत्व व नया नेतृत्व आत्मीय सहयोग से जुड़कर संस्था के नये विकास की यात्रा प्रारम्भ करते हैं। दिनांक 12 सितम्बर 2017 को कोलकत्ता राजरहाट में नयी राष्ट्रीय अध्यक्ष उर्वर चिंतन की धनी, श्रद्धा, श्रम व समर्पण की त्रिवेणी कुमुद कच्छारा ने इस गरिमामय संस्था की बागडोर संभाली। सौभागय की बात थी कि उस समय एक, दो नहीं नौ पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों की एक सघन शक्ति उस साधारण सभा में उपस्थित थी। जो नये नेतृत्व के कान में कह रही थी, नये सपनों, बुलन्द हौंसलों, दृढ़ संकल्पों और सार्थक ठोस योजनाओं के साथ संस्था को नई ऊँचाईयाँ देने आगे बढ़ो, हम सब तुम्हारे साथ है। मुझे सात्विक गौरव हुआ कि काल के परिपाक से पत्ते तो बदलते रहते है पर संस्था की जड़े अधिक गहरी होती जा रही है। यह गुरु कृपा का ही प्रसाद है।

नेतृत्व की कमान संभालने के साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री नीलम सेठिया का पहला आगाज – प्रदूषण मुक्त ईको फ्रेंडली दिवाली अभियान। केन्द्र के इस आह्वान पर हमारे शाखा मंडलों ने जिस जुझारुपन से काम किया एवम् जिस जागरुकता के साथ हमारी राष्ट्रीय टीम इस अभियान से जुड़ी वह साधुवाद के पात्र है। संस्था में स्वच्छ वातावरण की ताजगी बनी रहे, परस्पर विश्वास की प्राण वायु बहती रहे, संगठन की डोर मजबूत रहे और सामंजस्य की लताएं लहलहाती रहे।

गणनायक गुरुदेव आचार्य महाश्रमण के पावन आशीर्वाद से, महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्री के मंगल मार्गदर्शन में संस्था में शक्ति भरती रहेगी, मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभाजी व साध्वीवर्या सम्बुद्धयशाजी की प्रेरणा मार्गप्रशस्त करती रहेगी, हमारी आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वी कल्पलताजी की सजग पहरेदारी संस्था को स्वस्थता प्रदान करती रहेगी। निःसंदेह संस्था के इतिहास के अगले पृष्ठ स्वर्णिम होगें। मंगल भावनाओं के साथ –

सायर बैंगानी
प्रधान ट्रस्टी

नवम्बर माह के करणीय कार्य

बहिनों ! नारीलोक के माध्यम से प्रतिमाह आपको कार्यक्रम दिये जाते है और हमारे एक आह्वान पर आप अपनी शक्ति, समय और श्रम का नियोजन करके उसे संपादित करने का प्रयास करते हैं। किसी भी कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आखिर एक ही है ''सशक्तिकरण'' "Empowerment"। मगर जिस प्रकार एक बार में अधिक मात्रा में किया गया भोज दुष्पाच्य होता है उसी प्रकार एक साथ सशक्त बनाने का प्रयास करना मुश्किल है। क्योंकि अब समय बदल गया है, ATM, Paytm और EMI का जमाना आ गया है इसलिए कभी All time Motivation की तो कभी Part time Motivation की जरूरत होती है पर इस वर्ष हम लाए है EMI द्वारा प्रशिक्षण की नई योजना। जिसके अन्तर्गत **Every Month Installment** अर्थात प्रतिमाह आपको किश्तों में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन करना होगा तो आईये **Empowerment** यात्रा की प्रथम किश्त है

E - Enter In To The New ERA

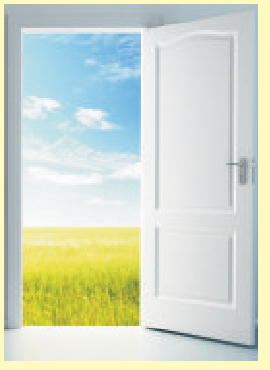

नये युग में करे प्रवेश

(३ घंटे की कार्यशाला)

जगाऐं भीतर में नव उन्मेष, नये युग में करें प्रवेश

Let us enter the New ERA ....

The ERA of Enthusiasm - **नया युग उत्साह का** — **40 मिनिट**

- अर्हम की ध्वनि का प्रयोग करें
- हो संकल्प सत्य शिव सुंदर ... प्रेरणा गीत का संगान

विशेष प्रशिक्षण :

- उत्साह से लबरेज हो अंतः करण
- हर कार्य का प्रारंभ उत्साह से हो
- उत्साह का ग्राफ निरंतर बढ़ता रहे
- उत्साह की लौ कभी मंद न हो पाये
- जोश के साथ होश भी बना रहे

30 मिनिट

The ERA of Education - नया युग शिक्षा का

व्यावहारिक शिक्षा

- कैसे सोचें ? कैसे बोलें ?
- कैसे बैठे ? कैसे चलें ?
- कैसे खाएं ? कैसे सोएं ?

व्यावसायिक शिक्षा

30 मिनिट

विशेष प्रशिक्षण : (विशेषज्ञ द्वारा)
Business Etiquette - व्यावसायिक शिष्टाचार

आध्यात्मिक शिक्षा

- सम्यक्त्व की विस्तृत जानकारी
- रत्नत्रयी का ज्ञान
- नौ तत्व एवं षड्द्रव्य की पहचान
- श्रावक जीवन में बारहव्रतों की भूमिका

30 मिनिट

हमारे प्रेरणा प्रदीप आचार्य श्री तुलसी के कालजयी बोल-

कोरी आध्यात्मिकता युग को, प्राण नहीं दे पाएगी,
कोरी वैज्ञानिकता युग को, त्राण नहीं दे पाएगी,
दोनों की प्रीत जुडेगी, युगधारा तभी मुडेगी।।
क्या क्या पाना है ? पहले आंक लो।।

The ERA of Enhancement - नया युग संवर्द्धन का

30 मिनिट

- कैसे बढ़ायें - • Intelligence Quotient - बौद्धिक क्षमता को
  - Emotional Quotient - भावनात्मक क्षमता को
  - Physical Quotient - शारीरिक क्षमता को
  - Spiritual Quotient - आध्यात्मिक क्षमता को
  - शक्ति की अनुप्रेक्षा करें - 10 मिनिट

- क्या हो हमारे जीवन का मूलमंत्र ? - इस बिंदु पर चर्चा करके एक सर्वश्रेष्ठ विचार ३० नवंबर तक अध्यक्षीय कार्यालय में भेजे.

ले मजबूत इरादे भीतर, आओ रचें नए प्रतिमान
नई चाह से सही राह पर मिलकर कर फिर से प्रस्थान

इस माह का संकल्प - प्रतिदिन २१ बार अर्हम् की ध्वनि का प्रयोग करें

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

द्वारा

निर्माण

- A 6 MONTH CONSECUTION

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

बाल दिवस पर अ.भा.ते.म.म. का सशक्त प्रयास

‘निर्माण’

एक नन्हा कदम स्वच्छता की ओर

UNIMPLEMENTED KNOWLEDGE IS BURDEN

AND

IMPLEMENTED KNOWLEDGE IS WISDOM

निर्माण

बाल स्वच्छता अभियान – एक नन्हा कदम स्वच्छता की ओर

विद्या के पावन मंदिर को, मिल जुल स्वच्छ बनायें हम।
कहीं ना कूड़ा कचरा फैले, ये अभियान चलायें हम।।

भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान योजना के अंतर्गत् 'बाल स्वच्छता अभियान' योजना की शुरुआत की गई है। बच्चों में प्रारंभ से ही संस्कार डाले जायें तो हम देश के शुभ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं – एक स्वच्छ भारत का निर्माण कर सकते हैं। स्वच्छ भारत अभियान का ब्रांड एम्बेसडर होने के नाते अ.भा.ते.म.म. भी बाल स्वच्छ अभियान को सफल बनाने हेतु कटिबद्ध है। बाल दिवस पर महिला मंडल का सशक्त प्रयास – **'निर्माण'** एक नन्हा कदम स्वच्छता की ओर

सभी शाखा मंडलों से अनुरोध है कि नीचे दिये गये प्रारूप के अनुसार आप सभी बाल दिवस 14 नवम्बर को किसी भी ग्रामीण, म्यूनिसिपल अथवा आर्थिक स्थिति से कमजोर बच्चे जहाँ शिक्षण ग्रहण कर रहे हों, वैसी स्कूल में इस योजना को लागू करें।

प्रक्रिया

- A drive towards Clean India का उद्घाटन किसी प्रशासनिक अधिकारी या स्कूल के प्राचार्य द्वारा, पोस्टर का अनावरण करके करवाया जाये।
- उद्घाटन का पोस्टर आपको www.abtmm.org की बेबसाईट पर Publication & banner & Poster में उपलब्ध होगा।
- एक ही विद्यालय में आपको सघनता से 1 वर्ष तक यह अभियान चलाना है।
- 15 दिन में एक बार एक निर्धारित समय आपको वहाँ प्रशिक्षण देना है।
- कक्षा 4 से 6 तक के बच्चों को यह प्रशिक्षण दिया जाए।
- 6 महीने में 12 क्लास पूर्ण होने के पश्चात् रिकॉर्ड शीट पर प्राचार्य के हस्ताक्षर सहित महामंत्री कार्यालय में प्रेषित करें। अभीआपको 3 महीने का प्रारूप भेजा जा रहा है।
- स्वच्छता घर, कक्षा, विद्यालय शहर, रेल के साथ शारीरिक एवं मानसिक स्वच्छता का विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाये।
- प्रशिक्षण स्थानीय भाषा में करवा सकें तो परिणाम ज्यादा अच्छे आयेंगे।
- इस योजना में अधिक से अधिक युवती बहनों को जोड़ने का प्रयास करें।

निर्माण प्रारूप

क्र.सं.	मॉड्यूल 1 (प्रथम सप्ताह)	मिनट
1	स्वच्छ भारत गीत संगान	5
2	स्वच्छता शपथ	3
3	नैतिक कहानी	8
4	स्वच्छता का महत्व	15
5	महाप्राण ध्वनि (स्वच्छता मन की)	5
6	सीखो खेल खेल में	5

क्र.सं.	मॉड्यूल 2	मिनट
1	स्वच्छ भारत गीत संगान एवं शपथ	8
2	स्वच्छता कक्षा/विद्यालय की (प्रायोगिक प्रशिक्षण)	20
3	किताबों पर कवर लगाने एवं पुस्तकों की रख रखाव का प्रशिक्षण	10
4	महाप्राण ध्वनि (स्वच्छता मन की)	5

क्र.सं.	मॉड्यूल 3	मिनट
1	स्वच्छ भारत गीत संगान एवं शपथ	8
2	कैसे हो शहर और रेल की स्वच्छता (प्रशिक्षण)	20
3	महाप्राण ध्वनि (स्वच्छता मन की)	10
4	लाफिंग थेरेपी	3

क्र.सं.	मॉड्यूल 4	मिनट
1	स्वच्छ भारत गीत संगान एवं शपथ	8
2	स्वच्छता घर की (प्रशिक्षण)	20
3	1 पौराणिक कहानी	10
4	महाप्राण ध्वनि (स्वच्छता मन की)	5

क्र.सं.	मॉड्यूल 5	मिनट
1	स्वच्छ भारत गीत संगान एवं शपथ	8
2	स्वच्छता आहार की (प्रशिक्षण)	20
3	बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट क्राफ्ट	10
4	महाप्राण ध्वनि (स्वच्छता मन की)	5

क्र.सं.	मॉड्यूल 6	मिनट
1	स्वच्छ भारत गीत संगान एवं शपथ	8
2	स्वच्छता कपड़ों की	15
3	अब तक के प्रशिक्षण पर आधारित सवाल जवाब	15
4	महाप्राण ध्वनि (स्वच्छता मन की)	5

शपथ

- मैं सफाई के प्रति सजग रहूँगा/रहूँगी।
- मैं रास्ते में कचरा नहीं फेकूंगा/फेकूंगी, सिर्फ कचरा पात्र (डस्टबिन) में फेकूंगा/फेकुंगी।
- मैं ना गंदगी करूँगा/करूँगी, ना ही किसी और को करने दूंगा/दूंगी
- मैं स्कूल, घर और सड़क, तीनों को साफ रखूँगा/रखूँगी

स्वच्छ भारत गीत

रचयिता – साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी

स्वच्छ हो प्यारा हिन्दुस्तान।
माटी महके, पंछी चहके उतरे स्वर्ण विहान।।

सोने की चिड़िया भारत का गौरव सदा बढ़ाएं,
इसके अमल हृदय से कचरे का अम्बार हटाएँ।
जिम्मेदारी हर मानव की बने सफल अभियान।।
स्वच्छ हो प्यारा हिन्दुस्तान।

जाति भिन्न है, प्रांत भिन्न है ऊपर एक गगन है,
धर्म भले हो भिन्न मित्र सभी का लेकिन एक वतन है।
मिटे प्रदूषण तन का मन का, कुदरत का आव्हान।।
स्वच्छ हो प्यारा हिन्दुस्तान।

स्वस्थ रहें हम मस्त रहें आश्वस्त रहें वसुधा पर,
रहे सुरक्षित खेत हमारे जंगल नदियाँ भूधर।
सुन्दर घर हो, सुन्दर अम्बर बने नई पहचान।।
स्वच्छ हो प्यारा हिन्दुस्तान।

हिमगिरि सी ऊँची संस्कृति, है धर्मो की फुलवारी,
कहीं हमारे कारण ना हो जाए यह बेचारी
सहनशील धरती की दोहन करे नहीं इन्सान।।
स्वच्छ हो प्यारा हिन्दुस्तान।

दिशा निर्देश

- पूरे देश भर में नये नेतृत्व के आगमन पर अधिक से अधिक भाई, बहन, कन्या, किशोर एवं बालक बालिकाओं को सामायिक संकल्प अभियान से जोड़ने का प्रयास करें एवं सूची अध्यक्षीय कार्यालय में भेजे।
- परम पूज्य गुरुदेव की इंगितानुसार शनिवार की सामायिक को प्राथमिकता दें।
- बहनों ! महिला मंडल के प्रत्येक कार्यक्रम एवं संगोष्ठी का शुभारम्भ महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाजी द्वारा रचित 'प्रेरणा गीत' (हो संकल्प सत्य शिव सुंदर..) से ही करें। यह मंडल का Theme Song है। इसका ओडियो शाखा मंडल को भेजा गया है।
- स्वच्छ भारत अभियान गीत का अधिक से अधिक मोबाईल कॉलर ट्यून के लिए प्रचार–प्रसार करें।
- अधिक से अधिक बहनें एवं कन्याएं तेरापंथ प्रबोध कंठस्थ करने का प्रयास करें एवं नारीलोक प्रश्नोत्तरी में भी भाग लें। यह आप के मूल्यांकन का ठोस आधार होगा।
- जिन बहनों की तेरापंथ प्रबोध कंठस्थ है वो महाप्रज्ञ प्रबोध प्रारंभ करें।
- कन्या सुरक्षा–कन्या विकास योजना के प्रचार प्रसार हेतु सभी क्षेत्र अधिक से अधिक आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण करने का प्रयास करें।

आचार्य महाश्रमण
कन्या सुरक्षा सर्किल

बहिनों ''कन्या सुरक्षा - कन्या विकास'' योजना हमारी संस्था की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके अन्तर्गत कन्याभ्रूणों की रक्षा से लेकर कन्याओं के चहुंमुखी विकास केन्द्रित कार्यक्रमों को समायोजित किया जाता है ताकि सुशिक्षित सुसंस्कृत कन्याएं सुदृढ़ एवं विकसित भारत की ऊंची पहचान बन सके।

संस्था के मंच से अब तक आपने इस योजना के अन्तर्गत अनेकानेक सफल कार्यक्रमों का संपादन कर बेटी जन्म तथा उसे बोझ समझने वाली मानसिकता को तोड़ने में प्रयासरत एक जागरूक संस्था की पहचान कायम की है, परन्तु फिर भी लगता है लक्ष्य अभी पाना बाकी है।

आईये, इस वर्ष अपने इरादों को थोड़ा और ऊंचा उठायें। शहर-गांव में बेटियों के सम्मान में अपने गुरु आचार्य श्री महाश्रमण के अहिंसात्मक संदेश को और अधिक पुख्ता तरीके से लागू करने के लिए ''एक कन्या सुरक्षा सर्किल'' का निर्माण करें, ताकि प्रत्येक राह गुजरकर मानस पटल पर बेटियों के मुस्कान एवं गौरव का अभिमान हमेशा जिन्दा रहे।

- याद रखें, इस सर्किल के निर्माण में हमें आज से ही जुट जाना है।
- सर्किल का आकार-प्रकार एवं उसकी संरचना संबंधी जानकारी निम्नलिखित है:

- सर्किल ग्रेनाईट का बनायें।
- डिजाईन, हाईट और मैटर प्रारूप अनुसार।
- सर्किल आप हाईवे, चौराहे और पार्क जैसी जगहों पर बनायें।
- स्तम्भ पर लिखावट स्पष्ट और गोल्डन होनी चाहिए।
- स्तम्भ का निर्माण कार्य 8 मार्च से पूर्व करने की चेष्टा करें।
- किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री व योजना प्रभारी वीणा वैद से सम्पर्क करें।
- चारों तरफ की ग्रिल आपकी और क्षेत्र की सुविधानुसार।

समूचे भारत में कन्या सुरक्षा सर्किलों के आकार और गुणवत्ता में एकरूपता बनाये रखने हेतु तथा शाखा मंडल की बहनों को निर्माण कार्य में सहयोग/सुविधा प्रदान करने की सोच के साथ केन्द्र द्वारा कन्या सुरक्षा सर्किलों का निर्माण कराने की योजना है। इस हेतु विस्तृत जानकारी के लिए महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया से सम्पर्क करें।

नवम्बर माह के करणीय कार्य

बेटियों के बढ़ते कदम, फैलाए विकास के परचम

प्यारी कन्याओं,

जय जिनेन्द्र।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुदजी के नये नेतृत्व के साथ ही एक नया उत्साह, नया उल्लास, नई उमंग और नए संकल्प को लेकर हम विकास की यह यात्रा गतिमान रखे। पूर्व में पुखराजजी सेठिया के निर्देशन में आपने कई उपलब्धियों को प्राप्त किया है इन सभी उपलब्धियों के साथ आगे बढ़ना है। पूज्य प्रवरों के आशीर्वाद से मिले इस दायित्व के साथ ही आप जैसी प्यारी बेटियों से रूबरू होने का यह मेरा प्रथम अवसर है। आज कन्याएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है प्रबुद्ध बन रही है। हम एक संकल्प के साथ इस यात्रा को पुनः प्रारंभ करते है कि आपकी प्रबुद्धता केवल आपके लिए ही नहीं अपितु संघ के लिए भी उपयोगी बने। संघ सेनानी बन कर संघ सेवा में अपनी प्रबुद्धता एवं ऊर्जा को नियोजित करें।

प्रभो ! तुम्हारे पावन पथ पर जीवन अर्पण है सारा।

बढ़े चले हम रुके न क्षण भी, हो दृढ़ संकल्प हमारा।।

शिष्टाचार कार्यशाला

शिष्टाचार कार्यशाला का आयोजन करे जिसमें **'मधुर हो हमारा व्यवहार – अपनाएं शिष्टाचार'** विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त करें, चर्चा–परिचर्चा करें

प्रथम चरण :

- बड़ों का सम्मान करें
- सॉरी, थेंक्यू, शब्दों का प्रयोग जरूरत पड़ने पर अवश्य करें
- दो लोगों की बातों में अनावश्यक बीच में न बोले सबके सामने किसी का अपमान न करें
- घर आये मेहमान का स्वागत मुस्कुराकर करें
- स्वयं की बात का आग्रह छोड़ें
- प्रमोद भावना का विकास करें, प्रसंशा अवश्य करें।

द्वितीय चरण :

- मैत्री की अनुप्रेक्षा करें

तृतीय चरण :

- टेबल मैनर्स का प्रशिक्षण प्राप्त करें

लायें – अधरों पर मुस्कान
बने जीवन की सार्थक पहचान

कन्याओं, नवम्बर में बाल दिवस आ रहा है। देश में कई ऐसे बच्चे है जो अभाव में जी रहे है क्यों न हम ऐसा करे कि उन नन्हें नन्हें बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आ जाये।

आपको अनाथश्रम या गरीब, पिछड़े बच्चों के बीच जाकर उनके साथ समय बिताना है।

आप उन्हें स्वच्छता का व स्वस्थ जीवन शैली का प्रशिक्षण दे सकते हैं उनके साथ खेल–कूद आदि कार्य कर सकते हैं। ऐसा कुछ करे जिससे उनके जीवन में मुस्कुराहट आ जाये। फोटो के साथ रिपोर्ट जरूर भेजें।

आपकी दीदी
मधु देरासरिया
देवेन्द्र जैन, 5/सी, मेघसर्मन एपार्टमेंट, टॉवर नं. 1
तेरापंथ भवन के पास, सिटी लाइट, सूरत, गुजरात

खोजें पायें तत्व महान - आगम का हो अनुसंधान प्रतियोगिता

हमारे जीवन की सफलता के कई ऐसे मंत्र है जो भगवान की वाणी के रूप में आगमों में छिपे है। आपको उत्तराध्ययन दशवैकालिक, गाथा आदि आगमों से सूत्र खोजने है और उन्हें (100 शब्दों में) परिभाषित करने है।

Topic कोई भी ले सकते है – जैसे

Time Management (समय प्रबंधन), Stress Management (तनाव प्रबंधन), Anger Management (क्रोध प्रबंधन), Health Management (स्वास्थ्य प्रबंधन) Life Management आदि

Example - Time Management
सूत्र – 'काले कालं समयारे'

इस प्रकार किसी भी विषय पर 2 सूत्र लिखने है, संदर्भ आगम का नाम लिखना है और 100 शब्दों में परिभाषित करना है। प्रथम, द्वितीय, तृतीय को केंद्र में भेजे। 15 दिसम्बर 2017 तक कन्या मंडल संयोजिका को भिजवायें।

रास्ते की सेवा - भावना

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा पुनः रास्ते की सेवा का उपक्रम प्रारंभ हो रहा है। पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के शुभ आशीर्वाद एवं वात्सलय की मूरत महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्री जी के कृपा से कर्म निर्जरा के इस उपक्रम से हमें जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अतः आप सभी शाखा मंडलों की बहनों से विनम्र अनुरोध है कि सेवा के इस महायज्ञ में जुड़े और गुरु सन्निधि का लाभ उठावें। प्रत्येक शाखा मंडल 4–4 बहनों के समूह में आकर 7 दिन सेवा प्रदान करें। रास्ते की सेवा दुर्गापुर से प्रारम्भ की जायेगी। बहनें अपनी सुविधानुसार रास्ते की सेवा के लिये नाम लिखवा दें।

निर्देशिका
श्रीमती शोभा दुगड़
+91 98313 00006

नाम देने हेतु निम्न बहनों से सम्पर्क करें :

श्रीमती कांता तातेड़
+91 98206 48887

श्रीमती लीना दुगड़
+91 98307 58882

ऑनलाइन शपथ पत्र परिणाम

दिपावली इको फ्रेंडली अभियान की सबसे मजबूत कड़ी थी ऑनलाइन शपथ पत्र भरवाना। देशभर में 327 शाखाओं से 21355 ऑनलाइन शपथ पत्र भरवाये गये। पूज्यप्रवर के कर कमलों से पोस्टर का विमोचन हुआ। 350 विभिन्न स्थानों पर विमोचन करवाया गया। 405 स्कूल, कॉलेज एवं क्रेसांडो साइट पर 69999 लोगों ने इसका समर्थन किया। जिन शाखाओं ने टॉप 15 में अपना स्थान बनाया है उनके नाम इस प्रकार है –

क्र.म.	शाखा	संख्या
1.	जोधपुर	3175
2.	पाली	1675
3.	हैदराबाद	1433
4.	ईरोड़	895
5.	सूरत	866
6.	कोयम्बटूर	756
7.	जलगाँव	603
8.	बालोतरा	542
9.	अररिया कोर्ट	537
10.	मुम्बई	526
11.	चेन्नई	492
12.	दिल्ली	427
13.	कट्टक	399
14.	ईचलकंरजी	392
15.	साउथ कोलकाता	369

ये है टॉप 15 शाखा मंडल जिन्होंने सर्वाधिक शपथ पत्र भरवाये हैं। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल आप सभी को बधाई प्रेषित करता है।

राजसमंद, विजयनगरम, गुवाहाटी, अहमदाबाद, अमरायवाड़ी, उधना, इन्दौर, काठमाण्डू, सेलम, पेटलावद, पीलीबंगा, जयपुर शहर का भी प्रयास सराहनीय रहा। आप इसी प्रकार गति प्रगति करते हुए संस्था का एवं स्वयं का विकास करते रहें।

घाटकोपर (मुंबई) से हुआ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की प्रथम कार्यशाला उन्नयन का सफल आगाज

महातपस्वी आचार्य महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी ठा. 6 के पावन सान्निध्य में उन्नयन कार्यशाला ने सफलता का परचम फहराया। मुंबई स्तरीय इस कार्यशाला में पालघर से पनवेल और विरार से वी.टी. तक के प्रायः सभी क्षेत्रों से करीब 800 से अधिक बहनों ने भाग लिया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला का सुन्दर एवं सुव्यवस्थित आयोजन तेरापंथ महिला मंडल मुंबई के निर्देशन में घाटकोपर महिला मंडल ने किया। राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य व मुंबई महिला मंडल की अध्यक्ष जयश्री बडाला व मंत्री श्वेता सुराणा ने संयोजिका मंजु कुमठ व सह–संयोजिका भावना चपलोत की पूरी टीम व तेयुप घाटकोपर के साथ व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

कार्यशाला की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने की।

विदुषी साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी ने अपने विशेष संबोधन में कहा – उन्नयन तभी संभव है जब ज्ञान और चरित्र दोनों हो। हमारी प्रत्येक बहन अध्यात्म और व्यवहार में संतुलन के साथ गुरुदेव के सपनों का समाज बनाएं।

साध्वी डॉ. योगक्षेमप्रभाजी ने अपने संयोजकीय वक्तव्य में कहा – उन्नयन एक सतत चलनेवाली प्रक्रिया है, समाप्ति नहीं। यह साधना है, सिद्धि नहीं। जब संकल्प बलवान होगा, तब अरमान सफल होंगे। इस अवसर पर साध्वी लावण्यप्रभाजी, कुंदनयशाजी, मुदितप्रभाजी व मधुरप्रभाजी ने संवाद एवं समधुर गीत के माध्यम से 'उन्नयन' के भावों की अभिव्यक्ति दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। राष्ट्रीय परामर्शक श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, रचना हिरण, जयश्री बडाला, श्वेता सुराना, मंजु कुमठ, भावना चपलोत आदि ने अपने उदगार व्यक्त किए। अभातेयुप अध्यक्ष विमल कटारिया महासभा के अध्यक्ष श्री किशनजी डागलिया, मुंबई सभा के मंत्री नरेन्द्रजी बांठिया, अ.भा.ते.यु.प. के निवर्तमान अध्यक्ष बी.सी.भालावत, माहीम संदीप कोठारी, घाटकोपर तेयुप अध्यक्ष लोकेश डांगी ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। मंच संचालन साध्वी योगक्षेमप्रभाजी ने कुशलतापूर्वक किया। कार्यशाला को सफल बनाने में श्रीमती प्रकाशदेवी बाबूलाल जी राठौड़ एवं श्रीमान मदनजी, महेन्द्र जी तातेड़ का विशेष सहयोग रहा। अ.भा.ते.म.मं. की राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य सुमन बच्छावत, पिंकी कच्छारा, कांता तातेड़, निर्मला चंडालिया आदि की विशेष उपस्थिति रही।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का सार्थक अभियान-प्रदूषण मुक्त दिवाली

दिनांक 4 अक्टूबर को प्रदूषण मुक्त दिवाली हेतु एक ऑनलाइन शपथ पत्र जारी किया गया, जिसमें देशभर से 327 क्षेत्रों से 26000 से भी अधिक शपथ पत्र भरे गए, जिसमें 20 वर्ष से नीचे के बच्चों की संख्या 28 प्रतिशत है। इसके साथ ही अनेक फार्म आस्ट्रेलिया, जाम्बिया, सिंगापुर, नेपाल, अमेरिका आदि क्रेसेंडोस्पीक.कॉम के जरिए 1 लाख लोगों तक हमने अपनी आवाज को 4 दिनों में पहुँचाया। इसी अभियान के अंतर्गत प्रदूषण मुक्त दिवाली के 3 पोस्टर जनहित में जारी किये गए जिन्हें बच्चों को ध्यान में रखते हुए डिजाईन किये गए थे। पटाखोंसे होने वाली बिमारियों की विस्तृत जानकारी बड़े रोचक ढंग से दी हुई थी। इस पोस्टरों के द्वारा देशभर में एक मुहिम की शुरुआत हुई। शाखा मंडलों ने इस अभियान को सफल बनाने हेतु अनेकानेक सार्थक प्रयास किये है। जिनके कुछ अंश प्रस्तुत है –

पूज्य प्रवर के कर कमलों से इन पोस्टर का विमोचन हुआ, महाश्रमणी साध्वी प्रमुखा जी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

- 165 स्थानों में इन पोस्टरों का विमोचन करवाया गया।
- 135 उच्च पदेन प्रशासनिक अधिकारियों से, जिसमें गवर्नर, कलेक्टर, कमिशनर, मिनिस्टर, जज आदि से भेंटवार्ता की गई, एवं इस अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई। सभी ने इस अभियान की भूरी भूरी प्रशंसा की।
- 355 स्कूलों में सघनता से बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया एवं लाखों बच्चों तक हम अपनी बात पहुँचाने में कामयाब हुए।
- वोकेथोन, रैली, सायक्लोथों आदि के माध्यम से भी व्यापक प्रचार प्रसार हुआ।
- मॉल में इवेंट के द्वारा अखबारों में इश्तेहार द्वारा, पौधे लगाकार ग्रीन दिवाली की गूँज की गई।
- गेम पार्लर, आइसक्रीम पार्लर, सोसाइटी, बसों पर ऑटो पर, बस स्टॉप पर, सार्वजनिक स्थलों पर, पोस्टरों को लगाया गया।
- अनेक टीवी चैनलों ने इस अभियान की कवरेज की, एवं न्यूज में प्रमुखता दी।
- सभी शाखा मंडल की बहनों ने 1 सप्ताह तक प्रदूषण मुक्त दिवाली की प्रोफाइल फोटो लगाकर इस अभियान को और विस्तार दिया।

साधुवाद के पात्र है सभी शाखा मंडल जिन्होंने इतने अल्प समय में इस अभियान को देशव्यापी बना दिया।

जयपुर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने दायित्वग्रहण करते ही परम पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त कर एवं साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी से मंगल पाठ श्रवण कर दिनांक 17 सितम्बर 2017 को अणुविभा जयपुर में शासन स्तंभ श्रद्धेय मंत्रीमुनि प्रवर के दर्शनार्थ पहुँची ट्रस्टी श्रीमती सौभाग्य बैद, उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, रा.का.स. श्रीमती बिमला दुगड़ एवं श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा के साथ। भक्तामर के मंगल अनुष्ठान के साथ मानो स्वतः ही आध्यात्मिक स्वागत हो गया। जयपुर शहर की अध्यक्षा श्रीमती मधु श्यामसुखा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम का स्वागत किया। अ.भा.ते.म.मं. के जयपुर के पदाधिकारी एवं कार्यसमिति ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का अभिनन्दन किया। जयपुर सभाध्यक्ष श्रीमान दौलत जी डागा, जयपुर सभा के मंत्री श्रीमान पन्नालाल पुगलिया, अणुव्रत समिति की मंत्री श्रीमती नेहा नागौरी द्वारा सभी का अभिनन्दन किया गया एवं शुभ कार्यकाल की मंगल कामना प्रेषित की गई। महामंत्री नीलम सेठिया ने कहा कि महामंत्री दायित्व के पश्चात प्रथम वक्तव्य मंत्रीमुनि प्रवर की सन्निधि में देने का मुझे सात्विक गर्व रहेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कहा कि संस्थागत नेतृत्व की दृष्टि से निरंतर प्रगति की मेरी शुरुआत मंत्रीमुनि के मुंबई चातुर्मास के दरमियान हुयी थी। मैं मानती हूँ कि मेरे विकास का सोपान वही था। मुनिश्री उदित कुमारजी स्वामी ने फरमाया कि सब कार्यकर्ताओं का दायित्व संघसेवा है, श्रीमती कुमुद कच्छारा एक श्रावक कार्यकर्ता है, आध्यात्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का संतुलन रखते हुए विकास के नए आयाम स्थापित करें। शासन स्तम्भ मंत्रीमुनि प्रवर ने फरमाया कि श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कुशल गृहणी के रूप में रहकर अध्यात्म को, श्रावकत्व को निखारा है। जागरुकता बढ़े, ज्ञान का विकास हो, श्रद्धा और उपासना का विकास हो, ऐसा प्रयास करें। तिलक का सम्मान तो बहुत आसान है, 2 साल के पश्चात् आपके कार्य का सम्मान हो ऐसा आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रतिभा बरड़िया ने किया।

मध्याह्न में जयपुर सी–स्कीम महिला मंडल द्वारा शासन श्री साध्वी अमित प्रभाजी के सानिध्य में संगोष्ठि का आयोजन हुआ। श्रीमती सुधा दुगड़, श्रीमती रूचि बैंगाणी, श्रीमती सरिता आंचलिया के सुमधुर एवं ओजस्वी मंगलाचरण द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। जयपुर सी–स्कीम अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चौपड़ा ने सभी का अभिनन्दन किया। श्रीमती मुकुलिका बैद ने दौसा गाँव में मंडल द्वारा संचालित स्कूल का विवरण बताया। उपासिका श्रीमती प्रेम बोथरा द्वारा संपादित पुस्तक आरोग्य रश्मि–2 का राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री द्वारा विमोचन करवाया गया। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने कहा कि केंद्रीय एवं क्षेत्रीय दोनों ही तरफ नव नेतृत्व की शुरुआत मंगलमय हो। श्रीमती कुमुद कच्छारा ने भावी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी योजनाऐं पुष्ट हो, संघ प्रभावी हो, ऐसी दिशा का चयन किया जाए। शासन श्री साध्वी अमित प्रभाजी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री की जोड़ी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि प्रथम बार दोनों को देखते ही सकारात्मकता का अनुभव किया। आध्यात्मिकता एवं सामाजिक गतिविधियों का सामंजस्य रखते हुए नव नेतृत्व की शुरुआत हो, ऐसा पाथेय प्रदान किया। आभार ज्ञापन श्रीमती कनक दुधोडिया ने किया एवं संचालन ऋतु चोपड़ा ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत में सामायिक संकल्प स्वीकार कर अनूठी भेंट दी गई।

इसके साथ ही 17 सितम्बर को श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित वृहद कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री माननीय श्रीचंद कृपलानी एवं सांसदीय सचिव श्री कैलाश वर्मा को राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने मंडल द्वारा चलाये गये देशव्यापी स्वच्छता अभियान की रिपोर्ट भेंट की एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वहाँ उपस्थित विशाल जनमेदिनी को संबोधित किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का मुंबई आगमन पर महिला मंडल, मुंबई द्वारा एयरपोर्ट पर हार्दिक भावभरा भव्य स्वागत किया गया। मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों में विराजित सभी चारित्रात्माओं के दर्शन कर नव सृजन का आशीर्वाद प्राप्त किया राष्ट्रीय अध्यक्ष ने। कान्दिवली में साध्वी श्री अणिमा श्री जी, घाटकोपर में साध्वी श्री निर्वाण श्री जी, ठाणे में आगम मनीषी डॉ. मुनिश्री महेन्द्र कुमार जी स्वामी, भायंदर में शासन श्री साध्वीश्री पद्मावती जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं अभिनन्दन समारोह आयोजित किया

गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के अभिनन्दन में अनेकों सामायिक संकल्प पत्र भरे गये।

महामंत्री नीलम सेठिया का सेलम आगमन पर महिला मंडल द्वारा भव्य स्वागत किया गया। चौखले में विराजित मुनि श्री ज्ञानेंद्र कुमार जी इरोड, मुनिश्री प्रशांत कुमार जी कोयम्बटूर एवं साध्वी प्रज्ञा श्रीजी के मदुरै में दर्शन किये। सभी शाखाओं ने महामंत्री का सम्मान किया। मदुरै एवं सेलम सभा द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री अ.भा.ते.यु.प. अधिवेशन के 'सरगम' कार्यक्रम में उपस्थित हुए। अ.भा.ते.यु.प. अध्यक्ष श्रीमान बी.सी. भालावत जी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का गरिमामय सम्मान किया एवं सफल कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं प्रेषित की। गुरु इंगितानुसार शनिवार की सामायिक उपस्थित सभी भाईयों के साथ करने का अवसर मिला।

गुजरात

डूंगरी

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने सर्वप्रथम अपनी जन्मभूमि गुजरात प्रांत से संगठन यात्रा की सिद्धश्री करते हुए डूंगरी क्षेत्र की यात्रा की। शासनश्री साध्वी ललित प्रभाजी एवं साध्वी वृंद की पावन सन्निधि में सर्वप्रथम नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सभाध्यक्ष श्रीमान मांगीलालजी हिरण ने स्वागत संभाषण दिया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती निर्मला चंडालिया ने बहनों को संविधान की जानकारी दी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती तातेड ने रास्ते की सेवा के जुड़ने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला ने बहनों को Motivate करते हुए शंका-समाधान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने अपने Vision और चारों योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए बहनों को आध्यात्मिक विकास करते हुए प्रगति के सोपान पर चढ़ने की प्रेरणा दी। साध्वी श्रीजी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगामी कार्यकाल की मंगल भावना प्रेषित कर प्रेरणादायक उदबोधन दिया। कार्यक्रम का कुशल संचानल डूंगरी की अध्यक्ष श्रीमती रचना हिरण ने किया। Eco-Friendly Diwali के पोस्टर का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में चिखली, बलसाड इत्यादि क्षेत्रों से भी बहनों की अच्छी उपस्थिति रही।

वापी

संगठन यात्रा के दूसरे पड़ाव में वापी आगमन पर स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल एवं कन्यामंडल ने शासनश्री साध्वी सरस्वतीजी के सान्निध्य में भावभरा स्वागत समारोह एवं नववधु सम्मेलन का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का विषय था – कैसे भरे रिश्तों में मिठास ?

कार्यक्रम का प्रारम्भ नमस्कार महामंत्र एवं प्रेरणा गीत की सुन्दर प्रस्तुति से किया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती संगीता मुणोत ने भावभरा स्वागत संभाषण दिया। श्रीमती निर्मला चंडालिया ने बहनों को MBBS के माध्यम से आदर्श माँ, बेटी, बहु और सास बनने की प्रेरणा दी। श्रीमती कांता तातेड ने 'भावना' उपक्रम से जुड़कर रास्ते की सेवा के लिए बहनों को प्रोत्साहित किया। श्रीमती जयश्री बडाला ने रिश्तों को सुन्दर व सुदृढ़ बनाने के लिए Tips और Practical प्रशिक्षण दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने वक्तव्य में नारी संस्कारों की डोर पकड़ते हुए परिवार को संगठित एवं संस्कारी बनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने तेरापंथ दर्शन एवं तत्वज्ञान की परीक्षाओं से जुड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। शासनश्री साध्वीजी सरस्वती कुमारी जी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को आशीर्वाद देते हुए फरमाया कि अ.भा.ते.म.म. अपनी शालीन संस्था के संबोधन को सार्थक कर रही है। श्रीमती कुमुद कच्छारा एक उपासिका है तो वह महिलाओं को सादगी, सहिष्णुता एवं धीर गंभीर रहते हुए विकास की ऊँचाईयों को छूने की प्रेरणा देती है।

Eco Friendly दीपावली के Poster का अनावरण किया गया एवं बहनों से इसका प्रचार प्रसार करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सिलवासा, बलसाड इत्यादि क्षेत्रों से बहनों की अच्छी उपस्थिति रही।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नव निर्वाचित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी 2017-19

नाम	पद	स्थान	मोबाईल नं.
श्रीमती तारा सुराणा	संरक्षिका	कोलकाता	9874245503
श्रीमती सुशीला पटावरी	संरक्षिका	नई दिल्ली	9818098002
श्रीमती सायर बैंगानी	प्रधान ट्रस्टी	दिल्ली	9818403318
श्रीमती प्रकाश तातेड़	ट्रस्टी	मुम्बई	9324055345
श्रीमती शांता पुगलिया	ट्रस्टी	कोलकाता	9831414716
श्रीमती सौभाग बैद	ट्रस्टी	जयपुर	8003131111
श्रीमती कनक बरमेचा	ट्रस्टी	सूरत	9328072984
श्रीमती सुरज बरड़िया	ट्रस्टी	कोलकाता	9831143436
श्रीमती मधु दुगड़	ट्रस्टी	कोलकाता	9831131111
श्रीमती आरती कठोतिया	ट्रस्टी	मुम्बई	9820496057
श्रीमती प्रियंका तातेड़	ट्रस्टी	जोधपुर	9166847368
श्रीमती बिमला नाहटा	परामर्शक	मुम्बई	9819061500
श्रीमती मोहिनी देवी	परामर्शक	मुम्बई	9167541642
श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया	परामर्शक	मुम्बई	9833154391
श्रीमती विजया मालू	परामर्शक	दिल्ली	9714493234
श्रीमती संतोष चोरड़िया	परामर्शक	कोलकाता	9830157285
श्रीमती कुमुद कच्छारा	राष्ट्रीय अध्यक्ष	मुम्बई	9833237907
श्रीमती पुष्पा बैद	उपाध्यक्ष	जयपुर	9314194215
श्रीमती सुनीता जैन	उपाध्यक्ष	नई दिल्ली	9868516242
श्रीमती नीलम सेठिया	महामंत्री	सेलम	9952426060
श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा	उपमंत्री	जयपुर	8769167796
श्रीमती रंजु लुणिया	उपमंत्री	शिलोंग	9436103330
श्रीमती सरिता डागा	कोषाध्यक्ष	जयपुर	9413339841
श्रीमती प्रभा घोड़ावत	प्रचार प्रसार मंत्री	इन्दौर	9302101268
श्रीमती मधु देरासरिया	क.म. संयोजिका	सूरत	9427133069
श्रीमती कल्पना बैद	सदस्य	कोलकाता	9831046456
श्रीमती पुष्पा बैंगानी	सदस्य	दिल्ली	9311250290
श्रीमती मंजु भूतोड़िया	सदस्य	नई दिल्ली	9312173434
श्रीमती निधि शेखानी	सदस्य	सूरत	9879633133

नाम	पद	स्थान	मोबाईल नं.
श्रीमती नीतु पटावरी	सदस्य	नई दिल्ली	9818098013
श्रीमती सुमन नाहटा	सदस्य	नई दिल्ली	9818854120
श्रीमती ज्योति जैन	सदस्य	कोलकाता	9339878262
श्रीमती शोभा दुगड़	सदस्य	कोलकाता	9831300006
श्रीमती रमन पटावरी	सदस्य	कोलकाता	9903518222
श्रीमती लता गोयल	सदस्य	कोलकाता	9836306864
श्रीमती शशि बोहरा	सदस्य	पटना	9334339702
श्रीमती बिमला दुगड़	सदस्य	जयपुर	9314517737
श्रीमती वीणा बैद	सदस्य	बैंगलोर	9448063260
श्रीमती लता जैन	सदस्य	बैंगलोर	9886035073
श्रीमती तरूणा बोहरा	सदस्य	मुम्बई	9967351851
श्रीमती आर. उषा बोहरा	सदस्य	चैन्नई	9840040446
श्रीमती नीतू ओस्तवाल	सदस्य	भीलवाड़ा	9461531077
श्रीमती रंजु खटेड़	सदस्य	गोवाहाटी	9864044609
श्रीमती सुमन लुणिया	सदस्य	नई दिल्ली	9953960675
श्रीमती पिंकी कच्छारा	सदस्य	मुम्बई	9619927369
श्रीमती सरला श्रीमाल	सदस्य	बैंगलोर	9916119997
श्रीमती नीतु श्रीमाल	सदस्य	इस्लामपुर	9002515025
श्रीमती रजनी दुगड़	सदस्य	चैन्नई	9381362727
श्रीमती कांता तातेड़	सदस्य	मुम्बई	9820648887
श्रीमती चंदा कोठारी	सदस्य	जोधपुर	9414034340
श्रीमती सुमन बच्छावत	सदस्य	मुम्बई	9820272133
श्रीमती सरिता दुगड़	सदस्य	सेलम	8825629601
श्रीमती मंजु नोलखा	सदस्य	उधना	9428391644
श्रीमती सुधा नोलखा	सदस्य	मैसूर	9035203484
श्रीमती जयश्री जोगड़	सदस्य	ईचलकंरजी	9028284801
श्रीमती जयश्री बडाला	सदस्य	मुम्बई	9867486848
श्रीमती सुनीता बोहरा	सदस्य	सेलम	9042098167
श्रीमती अदिति सेखानी	सदस्य	अहमदाबाद	9909024763
श्रीमती पुष्पा नाहटा	सदस्य	पीलीबंगा	9460088787
श्रीमती निर्मला चंडालिया	सदस्य	मुम्बई	9819418492
श्रीमती सीमा बैद	सदस्य	गुलाबबाग	8084020043
श्रीमती सुषमा पींचा	सदस्य	सरदारशहर	9351645710
श्रीमती मंजुला डूंगरवाल	सदस्य	सेलम	9841399155
श्रीमती सरिता बरलोटा	सदस्य	रायपुर	7714060889
श्रीमती लीना दुगड़	सदस्य	हावड़ा	9830758882
श्रीमती मधु डागा	सदस्य	गुवाहाटी	7002985115
श्रीमती उषा जैन	सदस्य	जगराओ	9914642694
श्रीमती नीना कावड़िया	सदस्य	राजसमंद	9351316887
श्रीमती सुधा भूरा	सदस्य	बीकानेर	8890533495

शाखा मंडल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व मंत्री 2017-19

राजस्थान

क्र.सं.	अध्यक्ष	मंत्री	स्थान
1.	श्रीमती लक्ष्मी कोठारी	श्रीमती मंजु इंटोदिया	उदयपुर
2.	श्रीमती सुशीला चौपड़ा	श्रीमती कनक दुधोड़िया	जयपुर–सी स्कीम
3.	श्रीमती प्रमिला गोखरू	श्रीमती मैना काठेड़	भीलवाड़ा
4.	श्रीमती रेखा राखेचा	श्रीमती मधु बागरेचा	सुजानगढ़
5.	श्रीमती सुमन चौपड़ा	श्रीमती राजश्री बोथरा	लूणकरनसर
6.	श्रीमती उमा हिरण	श्रीमती मनु सांखला	आमेट
7.	श्रीमती मधु श्यामसुखा	श्रीमती शकुन्तला चौरड़िया	जयपुर
8.	श्रीमती कविता सुराणा	श्रीमती मोनिका चौरड़िया	जोधपुर
9.	श्रीमती नीता कावड़िया	श्रीमती सीमा धोका	राजसमंद
10.	श्रीमती मधु बागरेचा	श्रीमती संतोष आंचलिया	चूरू
11.	श्रीमती अयोध्या ओस्तवाल	श्रीमती रानी बाफना	बालोतरा
12.	श्रीमती बबीता महनोत	श्रीमती ममता चौपड़ा	उदासर
13.	श्रीमती सरोज बांठिया	श्रीमती संतोष बांठिया	हनुमानगढ टाउन
14.	श्रीमती इंदिरा कोठारी	श्रीमती पुष्पा चौरड़िया	कनाना
15.	श्रीमती मंजु आंचलिया	श्रीमती संजु लालानी	गंगाशहर
16.	श्रीमती बिमला देवी सोनी	श्रीमती हेमलता लोढा	रेलमगरा
17.	श्रीमती पुष्पादेवी मेहता	श्रीमती रेखा बालड़	असाडा
18.	श्रीमती सरला देवी सुराणा	श्रीमती कंचनदेवी दुगड़	पड़िहारा
19.	श्रीमती मंजु रांका	श्रीमती	सुरतगढ़
20.	श्रीमती शशि कोटेचा	श्रीमती भारती कोटेचा	बोरावड़
21.	श्रीमती सुरती देवी पुगलिया	श्रीमती मोनिका बुच्चा	जोरावरपुरा
22.	श्रीमती रंजु सिंघवी	श्रीमती पुष्पा सांड	कालू
23.	श्रीमती कमला कोठारी	श्रीमती कंचन कोठारी	गजपुर
24.	श्रीमती आशा बोरड़	श्रीमती राज सुराणा	श्रीगंगानगर
25.	श्रीमती वीणा भूरा	श्रीमती प्रीति मरोठी	नोखा
26.	श्रीमती मंजु बाफना	श्रीमती राजुदेवी बोथरा	राजलदेसर
27.	श्रीमती मीठू बैंगानी	श्रीमती सीमा जैन	किशनगढ़
28.	श्रीमती कविता सुराणा	श्रीमती मोनिका चौरड़िया	जोधपुर
29.	श्रीमती लता धाकड़	श्रीमती रसिला सोनी	नाथद्वारा
30.	श्रीमती कमलेश बांठिया	श्रीमती	रायसिंहनगर
31.	श्रीमती संतोष चावत	श्रीमती लीला भटेवरा	भीम
32.	श्रीमती रेखा धाकड़	श्रीमती	सिसोदा
33.	श्रीमती चन्द्रा टुकलिया	श्रीमती सरोज चौरड़िया	कांकरोली
34.	श्रीमती मुन्नी कोठारी	श्रीमती	चूरू
35.	श्रीमती प्रेमलता कच्छारा	श्रीमती मीना कच्छारा	रीछेड़
36.	श्रीमती सुशीला बडाला	श्रीमती	पडासली
37.	श्रीमती किरण भंडारी	श्रीमती रजनी धारीवाल	छोटी खाटू
38.	श्रीमती संगीता चिंडालिया	श्रीमती वीणा बुच्चा	सरदारशहर
39.	श्रीमती सीमा धोका	श्रीमती नीता कावड़िया	राजसमंद
40.	श्रीमती विनोद बांठिया	श्रीमती ज्योति बांठिया	पीलीबंगा
41.	श्रीमती राजूदेवी संचेती	श्रीमती	मोमासर
42.	श्रीमती पंकज गोलछा	श्रीमती	भीनासर
43.	श्रीमती जयश्री भंसाली	श्रीमती लता देवी मेहता	जसोल
44.	श्रीमती शांति बांठिया	श्रीमती भावना दुगड़	बीदासर
45.	श्रीमती प्रेम देवी नाहटा	श्रीमती रेखा देवी दुधोड़िया	छापर
46.	श्रीमती रेखा बरड़िया	श्रीमती उषा मरलेचा	पाली

क्र.सं.	अध्यक्ष	मंत्री	स्थान
47.	श्रीमती मंजुदेवी बोथरा	श्रीमती	श्रीडूंगरगढ़
48.	श्रीमती संतोषदेवी बडोला	श्रीमती	आसीन्द
49.	श्रीमती रिंकु खमेसरा	श्रीमती प्रेमदेवी आंचलिया	पहुना
50.	श्रीमती मीना मेहता	श्रीमती अमिता पोखरना	देवगढ़ मदारिया
51.	श्रीमती सुशीलादेवी मेहता	श्रीमती पूजादेवी चपलोत	आकोला
52.	श्रीमती सुनीता तातेड़	श्रीमती कांता भंसाली	संगरिया
53.	श्रीमती सुशीला डांगी	श्रीमती	पुर
54.	श्रीमती सीमा जैन	श्रीमती मीना जैन	सवाई माधोपुर
55.	श्रीमती भावनादेवी लुंकड़	श्रीमती	पचपदरा सिटी
56.	श्रीमती किरणदेवी बरमेचा	श्रीमती शर्मिला बोकड़िया	लाडनूं
57.	श्रीमती मंजुला देवी कोठारी	श्रीमती पिस्तादेवी कोठारी	चारभुजा (राजसमंद)
58.	श्रीमती राजकुमारी खोखावत	श्रीमती	गोगुन्दा

पंजाब

1.	श्रीमती मंजूदेवी बैद	श्रीमती प्रमिला पुगलिया	लुधियाना
2.	श्रीमती कोम गोयल	श्रीमती	सुनाम

बिहार

1.	श्रीमती अनिता बैद	श्रीमती महक बेहला	भागलपुर
2.	श्रीमती निर्मला घीया	श्रीमती लता बैद	किशनगंज
3.	श्रीमती सुशीला दुधोड़िया	श्रीमती नीलु जैन	भट्टा बाजार
4.	श्रीमती अंजु दुगड़	श्रीमती सरिता बैद	पटना
5.	श्रीमती सरला दुगड़	श्रीमती सज्जन सेठिया	खुश्कीबाग
6.	श्रीमती बबीता बैद	श्रीमती संतोष दुगड़	अररियाकोर्ट
7.	श्रीमती सुनीता बरमेचा	श्रीमती श्रद्धा जैन	पटना सिटी
8.	श्रीमती आभादेवी बैंगानी	श्रीमती सुषमा पटावरी	कटिहार
9.	श्रीमती तारा संचेती	श्रीमती सीमा बैद	गुलाबबाग
10.	श्रीमती सरोज सेठिया	श्रीमती रीना चौरड़िया	सुपौल
11.	श्रीमती रतनीदेवी नाहटा	श्रीमती इन्द्रा चौपड़ा	निर्मली
12.	श्रीमती बिमला बांठिया	श्रीमती नोरती दुगड़	अररिया (आर.एस)
13.	श्रीमती चंचल बैद	श्रीमती कुसुम भंसाली	फारबिसगंज

महाराष्ट्र

1.	श्रीमती प्रभा सुराणा	श्रीमती सुनीता सेठिया	औरंगाबाद
2.	श्रीमती मधु पुगलिया	श्रीमती सरिता डागा	नागपुर
3.	श्रीमती जयश्री बडाला	श्रीमती श्वेता सुराणा	मुम्बई
4.	श्रीमती संतोष छाजेड़	श्रीमती निर्मला छाजेड़	जलगांव
5.	श्रीमती राखी समदड़िया	श्रीमती ओझल समदड़िया	बीड़
6.	श्रीमती शिल्पा सुगंधा	श्रीमती विजया सुरेश	पूना
7.	श्रीमती साधना सेठिया	श्रीमती रतनीदेवी सेठिया	जालना
8.	श्रीमती सरला छाजेड़	श्रीमती सरला निमानी	भुसावल
9.	श्रीमती रानी देवी छाजेड़	श्रीमती सपना बालड़	इचलकरंजी
10.	श्रीमती तारामणी बरड़िया	श्रीमती मंजु रूणवाल	जयसिंहपुर
11.	श्रीमती मीना चोपड़ा	श्रीमती जया छालानी/पायल चोपड़ा	खामगांव

उत्तरप्रदेश

1.	श्रीमती निर्मला सुराना	श्रीमती शालिनी जैन	कानुपर
2.	श्रीमती मंजु बोथरा	श्रीमती रीमा बैद	वाराणसी

दिल्ली

1.	श्रीमती पुष्पा बोकड़िया	श्रीमती सरोज सिपानी	दिल्ली

आन्ध्रप्रदेश

क्र.सं.	अध्यक्ष	मंत्री	स्थान
1.	श्रीमती लता कोठारी	श्रीमती मधु चौरड़िया	राजमुन्द्र (राजमहेन्द्रवरम)
2.	श्रीमती अनितादेवी बोथरा	श्रीमती कुसुमदेवी छाजेड़	विजयनगरम
3.	श्रीमती कुसुम डोसी	श्रीमती सरला बैद	वियवाड़ा
4.	श्रीमती पुष्पा बांठिया	श्रीमती दमयंती सुराणा	बोलारम
5.	श्रीमती संगीता सुराणा	श्रीमती	काकीनाड़ा
6.	श्रीमती सज्जन देवी हीरावत	श्रीमती वंदना विनायक	विशाखापट्टनम
7.	श्रीमती रीता सुराना	श्रीमती अल्पना दुगड़	हैदराबाद

नेपाल

1.	श्रीमती सुमन बैद	श्रीमती बबीता खटेड़	वीरगंज
2.	श्रीमती रेशमी जैन	श्रीमती समता भुतोड़िया	काठमांडू
3.	श्रीमती प्रेम दुगड़	श्रीमती मिलन नोलखा	विराटनगर

गुजरात

1.	श्रीमती रेखा चिपड़	श्रीमती सजल मांडोत	अमराईवाड़ी
2.	श्रीमती किरण बरड़िया	श्रीमती अंजु गुलगुलिया	बरूच
3.	श्रीमती भारती पारख	श्रीमती मंजु प्रकाश जैन	वड़ोदरा
4.	श्रीमती अरूणा देरासरिया	श्रीमती संजना बाबेल	कामरेज
5.	श्रीमती संगीता महनोत	श्रीमती निर्मला कोठारी	वापी
6.	श्रीमती सुनीता एन. जैन	श्रीमती जसु बाफना	उधना
7.	श्रीमती मीना बेन लक्ष्मी बोहरा	श्रीमती इंदिरा टेबा	नवसारी
8.	श्रीमती रेखा कोठारी	श्रीमती ममता संकलेचा	अहमदाबाद
9.	श्रीमती सुनीता सुराणा	श्रीमती संगीता सिसोदिया	सुरत
10.	श्रीमती प्रेमदेवी मांडोत	श्रीमती रेखा श्रीमाल	किम
11.	श्रीमती प्रेरणा बाफना	श्रीमती मीना मेहता	बारडोली
12.	श्रीमती लता बेन शाह	श्रीमती अमिता मेहता	भुज-कच्छ
13.	श्रीमती रचना हिरण	श्रीमती सीमा बोलिया	डूंगरी
14.	श्रीमती निर्मला देवी बरड़िया	श्रीमती चंचलदेवी बाजत	डीसा
15.	श्रीमती मधु गोखरू	श्रीमती डिम्पल डूंगरवाल	चिखली
16.	श्रीमती अलका जम्मड़	श्रीमती शांता दुगड़	सिलवासा
17.	श्रीमती मनोजदेवी गंग	श्रीमती चंद्रकला कोठारी	पर्वतपाटिया
18.	श्रीमती रेखा नोलखा	श्रीमती निर्मला रांका	लिम्बायत

उड़िसा

1.	श्रीमती इंदिरा लुणिया	श्रीमती सुमन बेताला	कटक
2.	श्रीमती शशि सेठिया	श्रीमती प्रेमलता सेठिया	भुवनेश्वर
3.	श्रीमती पुनीता बोथरा	श्रीमती संगीता दुगड़	राउरकेला
4.	श्रीमती कुसुम सिंघी	श्रीमती बबीता धारेवा	बालासोर
5.	श्रीमती उमा देवी जैन	श्रीमती सीमा जैन	बलांगीर

मध्यप्रदेश

1.	श्रीमती राजुदेवी बडोला	श्रीमती संगीता भंसाली	नीमच
2.	श्रीमती साधना कोठारी	श्रीमती अर्चना मेहता	इंदौर
3.	श्रीमती चेतना कोठारी	श्रीमती शर्मिला बागरेचा	रतलाम
4.	श्रीमती मीना मेहता	श्रीमती सोनू भंडारी	पेटलावद
5.	श्रीमती सुशीला हीरावत	श्रीमती संध्या विनायकिया	जबलपुर

झारखंड

1.	श्रीमती किरण पारख	श्रीमती सरोज बैद	चास बोकारो

वेस्ट बंगाल

क्र.सं.	अध्यक्ष	मंत्री	स्थान
1.	श्रीमती अर्चना बरमेचा	श्रीमती साधना सेठिया	सिलीगुड़ी
2.	श्रीमती नुतन बोथरा	श्रीमती सुधा बाफना	अलीपुरद्वार
3.	श्रीमती ललिता धारेवा	श्रीमती संगीता गोलछा	इस्लामपुर
4.	श्रीमती शीला नाहटा	श्रीमती सरिता श्यामसुखा	दक्षिण हावड़ा
5.	श्रीमती धन्नीदेवी गांधी	श्रीमती रेखा जम्मड़	जयगांव
6.	श्रीमती सरिता कोठारी	श्रीमती अमिता जैन	दुर्गापुर
7.	श्रीमती अंजु गुलगुलिया	श्रीमती पुष्पादेवी गुलगुलिया	बरहामपुर
8.	श्रीमती मंजु देवी बेगवानी	श्रीमती शांतादेवी छालानी	कूचविहार
9.	श्रीमती सुमन मरोठी	श्रीमती उर्मिला मरोठी	गुसकला
10.	श्रीमती मंजु देवी चोपड़ा	श्रीमती नीतु दुगड़	रायगंज
11.	श्रीमती सुमन बोथरा	श्रीमती नीलम कोचर	मालदा
12.	श्रीमती राखी बैद	श्रीमती वीना पारख	बेहाला
13.	श्रीमती कामिनी छाजेड़	श्रीमती अरूणा छाजेड़	बेलडांगा
14.	श्रीमती सुनीता छाजेड़	श्रीमती सुमन आंचलिया	सैंथिया
15.	श्रीमती बिमला	श्रीमती संजु बैद	दलखोला
16.	श्रीमती कमला पटावरी	श्रीमती सुधा नाहटा	उतरपाडा
17.	श्रीमती बिमलादेवी बोथरा	श्रीमती अमिता बरड़िया	लिलुआ
18.	श्रीमती रमन पटावरी	श्रीमती प्रेम सुराणा	पूर्वांचल कोलकाता
19.	श्रीमती कंचन पारख	श्रीमती कामाख्या कुंज	उतर हावड़ा
20.	श्रीमती पुखराज सेठिया	श्रीमती वीणा श्यामसुखा	साउथ कोलकाता
21.	श्रीमती बसंती बोहरा	श्रीमती सरोज	कोलकाता

तमिलनाडु

1.	श्रीमती उछब डूंगरवाल	श्रीमती शालिनी लुंकड़	सेलम
2.	श्रीमती प्रियंका कोठारी	श्रीमती रेखा मरलेचा	पल्लावरम
3.	श्रीमती मधु बांठिया	श्रीमती मोनिका लुनिया	कोयम्बतूर
4.	श्रीमती सरोज दुगड़	श्रीमती शकुंतला बरोला	कांचीपुरम
5.	श्रीमती वीना भूतोड़िया	श्रीमती पिंकी भंसाली (कांतादेवी)	इरोड़
6.	श्रीमती मनीषा सेठिया	श्रीमती श्वेता सेठिया	कुम्भकोणम
7.	श्रीमती सरोज दुगड़	श्रीमती शकुंतला वरोला	तिरूकालीकुण्ड्रम
8.	श्रीमती मीना बाई बरड़िया	श्रीमती संतोष बाई बरड़िया	आरकोणम
9.	श्रीमती चन्द्रा कोठारी	श्रीमती नयना पारख	मदुराई
10.	श्रीमती कमला गेलड़ा	श्रीमती शांति दुधेड़िया	चेन्नई
11.	श्रीमती सरला बरड़िया	श्रीमती शीतल मालू	कुन्नुर
12.	श्रीमती विमला समदड़िया	श्रीमती चन्द्रा जसवंत गिरिया	गुड़ियात्तम
13.	श्रीमती ताराबाई समदड़िया	श्रीमती पिंकी चोपड़ा	अम्बातूर
14.	श्रीमती सोहनीबाई संचेती	श्रीमती उषा सेठिया	मिंजुर
15.	श्रीमती राजकुमारी मूथा	श्रीमती सुशीलाबाई गांधी	ताम्बरम

छत्तीसगढ़

1.	श्रीमती सोम्या लुंकड़	श्रीमती प्रमिला भंसाली	रायपुर
2.	श्रीमती रक्षा जैन	श्रीमती वंदना कोठारी	दुर्ग
3.	श्रीमती सरोज सुराना	श्रीमती ललिता दाढा	राजनांदगांव

आसाम

क्र.सं.	अध्यक्ष	मंत्री	स्थान
1.	श्रीमती विद्या कुंडलिया	श्रीमती मीरा सुराणा	गुवाहाटी
2.	श्रीमती संजुदेवी भादानी	श्रीमती अनिता लालानी	कोकराझाड़
3.	श्रीमती कुसुम बैद	श्रीमती दिव्या श्यामसुखा	खारूपेटिया
4.	श्रीमती सुनीता बैंगाणी	श्रीमती निशा बैंगानी	डिफू
5.	श्रीमती राजश्री बुच्चा	श्रीमती स्मिता बैद	जोरहाट
6.	श्रीमती ममता दुगड़	श्रीमती डॉली नाहटा	बंगाईगांव
7.	श्रीमती सुनीता संचेती	श्रीमती अमृता बोथरा	ढेकियाजुली
8.	श्रीमती शांति बरड़िया	श्रीमती करूणा मालू	धुबड़ी
9.	श्रीमती जयश्री गंग	श्रीमती हेमलता लालानी	करीमगंज
10.	श्रीमती स्नेहलता दुगड़	श्रीमती मीना धारीवाल	तेजपुर
11.	श्रीमती सुमित्रा सेठिया	श्रीमती सुनीता सेठिया	बिलासीपाड़ा

शिलोंग

1.	श्रीमती प्रेमलता सेठिया	श्रीमती सुधा लुणिया	शिलोंग

हरियाणा

1.	श्रीमती रंजु नोलखा	श्रीमती ललिता बैद	फरीदाबाद
2.	श्रीमती वनिता जैन	श्रीमती सुनीता नाहटा	भिवानी
3.	श्रीमती पूजा नाहटा	श्रीमती सोनिया गुजरानी	सिरसा
4.	श्रीमती सुमन जैन	श्रीमती कुसुम जैन	हिसार
5.	श्रीमती मधु बोथरा	श्रीमती रूबी बाफना	गुड़गांव
6.	श्रीमती मंजु जैन	श्रीमती ज्योति जैन	भिवानी
7.	श्रीमती अनिता जैन	श्रीमती पिंकी जैन	बरवाला

कर्नाटक

1.	श्रीमती कामोश	श्रीमती वनमाला नाहर	मैसूर
2.	श्रीमती संतोष भंसाली	श्रीमती संगीता कोठारी	हसन
3.	श्रीमती किरण भंसाली	श्रीमती पूनम बोहरा	मांडया
4.	श्रीमती सुशीला बाफना	श्रीमती कंचन चोपड़ा	हुबली
5.	श्रीमती अलका जैन	श्रीमती कांता नाहटा	मंगलोर
6.	श्रीमती कांता सेठिया	श्रीमती भवरीबाई हिन्दाद	के.जी.एफ.
7.	श्रीमती मंजु गन्ना	श्रीमती उषा चौधरी	राजाजी नगर
8.	श्रीमती रेखा कोठारी	श्रीमती भावना बाफना	चित्रदुर्ग
9.	श्रीमती ममता तीरावला	श्रीमती पिस्ता बरलोटा	शिमोगा
10.	श्रीमती सरोज टांटिया	श्रीमती महिमा पटावरी	विजयनगर
11.	श्रीमती संतोष भंसाली	श्रीमती शोभादेवी संकलेचा	गदग
12.	श्रीमती मंजु दक	श्रीमती रेखा पवार	हनुमंतनगर
13.	श्रीमती प्रेमलता नाहर	श्रीमती करूणा गादिया	चिकमंगलूर
14.	श्रीमती अनिता गांधी	श्रीमती सीमा श्रीमाल	बंगलोर
15.	श्रीमती संतोष तलेसरा	श्रीमती	होसपेट
16.	श्रीमती खेमीबाई नाहर	श्रीमती डिम्पल कोठारी	बेल्लारी
17.	श्रीमती सुनीता लोढा	श्रीमती श्रद्धा लोढा	रायचुर
18.	श्रीमती कंचन छाजेड़	श्रीमती सरोज आर. बैद	राजराजेश्वरी नगर
19.	श्रीमती गीता बाबेल	श्रीमती सुनीता बोहरा	छसरहाली
20.	श्रीमती अरूणा महनोत	श्रीमती मिनाक्षी दक	यशवंतपुर

कन्या मंडल संयोजिका 2017-19

क्र.सं.	नाम	स्थान
1.	पायल डागा	फारबीसगंज–बिहार
2.	सोनल बरड़िया	गुवाहाटी आसाम
3.	आयशा गुगलिया	वलसाड–गुजरात
4.	सीमा पुगलिया	दक्षिण हावड़ा–बंगाल
5.	विद्या पितलीया	मैसूर–कर्नाटका
6.	शिखा विनायिका	विशाखापट्टनम–आंध्रप्रदेश
7.	ज्योति राखेचा	लूणकरणसर–राजस्थान
8.	कोमल बैद	चुरू–राजस्थान
9.	प्रियंका छलाणी	उत्तर हावड़ा–बंगाल
10.	अंकिता श्रीश्रीमाल	हुबली–कर्नाटक
11.	वर्षा मेड़तवाल	उधना–गुजरात
12.	करिश्मा नाहर	पाली–राजस्थान
13.	अपेक्षा चोरड़िया	सूरत–गुजरात
14.	डिंपल फलोदिया	रायपुर–छत्तीसगढ़
15.	प्रज्ञा वैदमुथा	कोयम्बटुर–तमिलनाडु
16.	भावना बाफना	पालघर–महाराष्ट्र
17.	दर्शना एस.	चेन्नई–तमिलनाडु
18.	एलिशा श्रीमाल	वडोदरा–गुजरात
19.	निहारिका सिंघी	कटक–उड़ीसा
20.	दिव्या जेन	अहमदाबाद–गुजरात
21.	कनकप्रभा गोलछा	गंगाशहर–राजस्थान
22.	सुरभि पंगड़िया	भीलवाड़ा–राजस्थान
23.	हर्षा डागलिया	राजसमंद–राजस्थान
24.	हिरल भटेवरा	डूंगरी–गुजरात
25.	पूजा भुरा	नोखा–राजस्थान
26.	प्राची जैन	भिवानी–हरियाणा
27.	मनाली सामोता	इंदौर–मं.प्र.
28.	रूपल कोठारी	अमराईवाड़ी–ओढव–गुजरात
29.	मनीषा डूंगरवाल	किशनगढ़–राजस्थान
30.	ज्योति डागा	बिराटनगर–नेपाल
31.	नेहा चोपड़ा	पचपदरा–राजस्थान
32.	साधना रांका	आमेट–राजस्थान
33.	श्रेया बड़ोला	बारडोली–गुजरात
34.	मोनिका सालेचा	जसोल–राजस्थान
35.	शीतल श्रीश्रीमाल	ब्यावर–राजस्थान
36.	दिव्या कोठारी	हासन–कर्नाटका
37.	पूजा बरड़िया	नोहर–राजस्थान
38.	मानसी वागरेचा	मुंबई–महाराष्ट्र

क्र.सं.	नाम	स्थान
39.	पूजा पिंचा	इस्लामपुर–बंगाल
40.	दिव्या नाहटा	भीलवाडा–राजस्थान
41.	आकांक्षा दुगड़	श्रीडूंगरगढ़–राजस्थान
42.	विभा धारीवाल	छोटी खाटू–राजस्थान
43.	सुरभि सांड	काठमांडु–नेपाल
44.	निमिशा जैन	वापी–गुजरात
45.	मुदिता जैन	जयपुर शहर–राजस्थान
46.	ऐश्वर्या बोथरा	बीकानेर–राजस्थान
47.	जयश्री कुचेरिया	जलगांव महाराष्ट्र
48.	तितिक्षा दुधोड़िया	छापर–राजस्थान
49.	प्रज्ञा जैन	फरीदाबाद–हरियाणा
50.	दर्शना नोलखा	दौलतगढ़–राजस्थान
51.	पायल सुराणा	हैदराबाद–तेलंगाना
52.	अंकिता दुगड़	सरदारशहर–राजस्थान
53.	किंजल सोनी	नाथद्वारा–राजस्थान
54.	राशि श्यामसुखा	विजयवाड़ा–आंध्रप्रदेश
55.	पूजा चौपड़ा	जयपुर–राजस्थान
56.	मोनिका बोरड़िया	कीम–गुजरात
57.	अंकिता बोथरा	तेजपुर–आसाम
58.	प्रेक्षा मुणोत	दक्षिण कोलकाता–बंगाल
59.	पूजा गोलछा	बालोतरा–राजस्थान
60.	अभिलाषा फुलफगर	बंगाईगांव–आसाम
61.	प्रज्ञा जैन	दिल्ली
62.	वंदना बदानी	कालू–राजस्थान
63.	अंकिता मारु	कामरेज–गुजरात
64.	रितु दक	मंडया–कर्नाटक
65.	माही जैन	आसींद–राजस्थान
66.	विदुषी जैन	लुधियाना–पंजाब

तत्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम की परीक्षाएं

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तेरापंथ दर्शन/तत्वज्ञान पाठ्यक्रम की वर्ष 2017 की परीक्षाओं हेतु 74 परीक्षा केन्द्रों से 1477 परीक्षार्थी फार्म भरे गये हैं। जिसमें 552 नये परीक्षार्थीयों ने फार्म भरे हैं।

वर्ष 2017 की परीक्षायें दिनांक 20 एवं 22 दिसम्बर 2017 तद्नुसार बुधवार और शुक्रवार को मध्यान्ह एक बजे आयोजित की जायेगी। एडमिट कार्ड व उत्तर पुस्तिकाएं सभी परीक्षा केन्द्रों में भेजे जा चुके हैं।

कोई भी चारित्रात्मायें इस समय परीक्षा देना चाहें तो 25 नवम्बर तक सम्पर्क करके हमें सूचित कर दें। अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क करें।

निवेदक
पुष्पा बैंगानी
9311250209

राष्ट्रीय संयोजिका
मंजु भुतोड़िया
9312173434

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता नंवबर-2017

प्रिय बहनों,

तेरापंथ का इतिहास व सिद्धान्तों का अवबोध करवाने के लिए आचार्यश्री महाश्रमणजी शनिवार की सामायिक के साथ तेरापंथ प्रबोध के संगान की प्रबल प्रेरणा प्रदान कर रहे हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए हम तेरापंथ का इतिहास पुस्तक में आचार्य भिक्षु के जीवन वृत की प्रश्नोत्तरी प्रारम्भ कर रहे हैं। आशा है अधिक से अधिक बहनों को इन पुस्तकों का वाचन कर तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु व तेरापंथ के प्रवर्तक आचार्यों के श्री चरणों में अपनी श्रद्धा कुसुमांजली अर्पित करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

सदंर्भ ग्रथ
तेरापंथ प्रबोध 1 से 10 पद्य अर्थ सहित
तेरापंथ का इतिहास पृष्ठ संख्या 33 से 45

त्य	र	की	जी	ज	मि	द	स	त्य	व	स्तु	रा	पू	ह	का
न	मा	ठा	द	गु	त्र	यो	म	ग	म	सौ	ता	ती	र	धा
सा	धु	प	णो	थ	ता	ग	ग	र्य	त	प्र	थ	गु	प्रा	सं
का	ते	शा	ल	नि	र्क	म	चा	क	बं	ति	अ	ति	र	क
ला	ह	प	जी	य	उ	न्य	जि	श	डे	कू	भ	या	ल	वा
न्त	रा	भि	र	ति	प	आ	ज्ञा	ब्द	ल	ज्ञा	म	उ	न	ली
र	दी	बा	पा	क	य	दा	सा	ए	न	है	ना	दा	श्रा	क
प्र	भा	रि	ट	सी	गी	न	ढी	सु	अ	शै	ह	शु	व	मा
जै	न	क	स	म	झौ	ता	ल	र	ज्ञा	वा	र	कं	क	स
त	र्म	च	रि	ता	क	हा	ब	त	ना	ल	ण	ग	र	भ
क	वि	आ	ब	दि	थ	ज	ल	प्रा	मा	कं	क	र	म	ते
य	न	स्थ	क	ज	गी	सी	ध	ति	प्र	ग	स	आ	ति	ला
कां	ठा	र्क	शा	रा	ल	नी	र्म	ज	ब	त	ली	द	ज्ञा	प
य	सं	म्प	ह	सा	ग	ध	सं	ल	च	प	न	य	न	भि
ख	च	ट	त	निं	बा	वा	स	र	न्त	अ	नि	म	क्षु	रा

1. शब्द अन्वेषण

प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में छिपे हैं, उन्हें खोजकर चिन्हित करे व रिक्त स्थान में भरे।

उदाहरण :– तेरापंथ के प्रवर्तक आचार्य भिक्षु है।

1. जोधपुर संभाग का दक्षिणी सीमांत .... है।
2. औत्पत्तिकी बुद्धि का अन्य नाम .... है।
3. आचार्य भिक्षु ने अपने जीवन तंत्री पर सदा.. का आलाप भरा।
4. सत्य का स्वीकार करने उन्होंने कभी... नहीं की और असत्य से कभी .... नहीं किया
5. संकलेचा गोत्र का आदि स्त्रोत .... ग्राम से संबद्ध है।
6. आचार्य भिक्षु के पड़दादा का नाम... था।
7. आचार्य भिक्षु की पुत्री का विवाह ....के बाफणा परिवार में हुआ।
8. जनापवाद के .... से घबड़ा कर किनारे पर बैठे रहना और.........................बीनते रहना उन्होंने कभी पसन्द नहीं किया।
9. एक दूसरे पर रखे बर्तनों की श्रेणी को कहते हैं...
10. धूजैला थर–थर कायर, ओ .... स्यूं जूझैला।

2) रिक्त स्थानों की पूर्ति अ या आ से प्रारम्भ होने वाले शब्द से करें :–

1. तेरापंथ प्रबोध के रचयिता .... हैं।
2. वि.सं. 1781 में जोधपुर (मारवाड़) पर राज्य करने वाले राठौड़ बंशी महाराजा........................थे।
3. सत्य के वे .... नम्र भक्त थे तो असत्य के उतने ही कठोर............................
4. आचार्य भिक्षु की .... ने उन्हें बताया कि भोग साधना में अपने को खपा देना इस .... शरीर का दुरुपयोग है।
5. आचार्य भिक्षु के श्रावक प्रतापजी.............................. के रहने वाले थे।
6. .... बुद्धि और दूरदर्शिता ने उनको हर स्थान पर महत्वशील व्यक्ति बना दिया।
7. स्वामीजी के अनुसार शीतला, भैरूं आदि देवों की पूजा एक .... परम्परा है।
8. संयम .... के लिए जितना सुखदायक है, कायर के उतना ही दुखदायक।
9. तात्विक बोल थोकड़ा सीखै................................ आराधना।
10. स्वामीजी की सिंह गर्जना ने चिरकाल से सोई शुद्ध .... की चेतना फिर से जागृत कर दी।

3. मैं कौन हूँ

1. मैने भिक्षु चरित्र 1/5 की रचना की है–
2. मेरे तीन पुत्र थे – बल्लू जी, सुखोजी और प्रेमोजी –
3. मैं स्वामीजी का चाचा हूँ। मैंने पोतियाबंध संप्रदाय में दीक्षा ली है –
4. मेरे पल्लव को देखकर जान लिया जाता है कि मैं कितना उपयोगी हूँ।

4. वाक्य में सम्बन्धित दोहा लिखें :–

1. यह प्रथा स्त्री जाति की वैचारिक नग्नता है।
2. भिक्षु स्वामी का जन्म मंगलवार को हुआ यह सिद्ध करता दोहा–

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें। उत्तर महिने की 25 तारीख तक निम्न पते पर अवश्य पहुँच जाए। उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें। प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

संपर्क सूत्र : **श्रीमती रमन पटावरी** (मोबाईल : 9903578222)
ई–मेल : raman.patawari@gmail.com
SILVER SPRING, JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

2,50,000	श्रीमती लूणीदेवी डागा चेरिटेबल ट्रस्ट गंगाशहर गुवाहाटी द्वारा रस्ते की सेवा हेतु सप्रेम भेंट
1,71,000	कच्छारा परिवार (रिंछेड – मुंबई) द्वारा सप्रेम भेंट
51,000	श्रीमती प्रकाशदेवी मदनजी तातेड़ (धानीन – मुंबई) द्वारा सप्रेम भेंट
51,000	श्रीमती सूजरदेवी अशोकजी बरडिया (सरदार शहर – कोलकता) द्वारा सप्रेम भेंट
51,000	श्रीमती उषा गुणपालजी जैन (जगराओ) द्वारा रास्ते की सेवा हेतु सप्रेम भेंट
21,000	श्रीमती विमलादेवी भानुकुमार जी नाहटा (छापर – मुंबई) द्वारा सप्रेम भेंट
21,000	वापी महिला मंडल द्वारा रास्ते की सेवा हेतु सप्रेम भेंट

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार

महामंत्री कार्यालय : नीलम सेठिया – 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम–636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : सरिता डागा – 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर – 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111

नारी लोक देखें www.terapanthinfo.com पर, website : www.abtmm.org

साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी द्वारा रचित

प्रेरणा गीत

हो संकल्प सत्य शिव सुन्दर ऊँची एक उड़ान भरें।
बनकर हम सूरज की किरणें युगधारा में प्राण भरें।
आओ बहनों ! जागो बहनों । हो ....

1. लिखे क्रान्ति की नई ऋचाएं खुद उनको पढ़ते जाए
शक्ति भक्ति की जोत जला कर इतिहास नया गढ़ते जाएं।
मजबूत इरादों वादों से हम जागृति का आव्हान करें।।
आओ बहनों ! जागो बहनों । हो ....

2. शुभ भविष्य भावी पीढ़ी का नारी की जिम्मेदारी
रहे शुद्धता खान–पान की हो पक्की पहरेदारी
नशा मुक्ति है मंत्र शक्ति का घर–घर में यह संगान करें।।
आओ बहनों ! जागो बहनों । हो ....

3. श्रद्धा, सेवा और समर्पण नारी का अपना सपना
समता, ममता, सहनशीलता, तप यह जीवनभर तपना
संयम और सादगी द्वारा अपनी हम पहचान करें।।
आओ बहनों ! जागो बहनों । हो ....

4. पद–यश–लिप्सा से दूर रहें कर्तव्य–बोध बढ़ता जाए
ग्राफ हमारा गुणवत्ता का ऊपर नित चढ़ता जाए
काम करें निष्काम भाव से गण–गणपति हित बलिदान करें।।
आओ बहनों ! जागो बहनों । हो ....

5. हुआ जागरण भाग्योदय से तुलसी प्रभुवर की आभारी
अलख जगाती रहे रात–दिन जुड़े संघ से इकतारी
ऊर्जा पाकर महाश्रमण से चरणों को गतिमान करें।
आओ बहनों ! जागो बहनों । हो ....